आदेश कलक्टर 2 नि. सं. प्रेमचन्द्र
मे पारित निर्णय व डिक्री
दि. 4 अप्रैल, 18 की पालना
मे नामान्तरकरण दर्ज होने
के कथन हस्ताक्षरित किये गये.
LR. द्वारा भी उपस्थित आकर
नामान्तरकरण स्वीकृत होने की
तिथि हस्ताक्षरित की गयी.
इस प्रकार उपरोक्त निर्णय +
डिक्री की पालना कर दिये
जाने के परिणाम पत्रावली
नस्तीबद्ध की जाती है, अत:
पत्रावली न्यायालय विधिक
के साथ मय भेजकर
निर्णय की सूचित प्रमाणित
हो.

(श्रीमती रीना धीमान)

A3/1

ONE RUPEE INDIA Re.1 राजस्थान

1 रु. कोर्ट फी COURT FEE Re.1 भारत INDIA एक रुपया ONE RUPEE राजस्थान

8121

डिक्री के निष्पादन हेतु आवेदन पत्र

(आदेश 21 नियम 10 सि.प्र.सं.)

9|5| न्यायालय–सहायक जिलाधीश फास्ट ट्रैक श्रीगंगानगर

मैं ......पूनम चन्द पुत्र गराया राम अरोड़ा नि० कालिया डिक्रीदार जिसके द्वारा नीचे दी गई डिक्री के निष्पादन के लिए आवेदन करता हूँ:–

1.	वाद का संख्याक	495 सन 2013
2.	पक्षकारों के नामः–	प्रीमिता आदि बनाम पूनम चन्द आदि
3.	डिक्री की तारीख	4-4-2018
4.	क्या डिक्री की कोई अपील की गई है।	नहीं
5.	यदि कोई संदाय या समायोजन किया गया है तो वह संदाय या समायोजन	नहीं
6.	यदि पहले कोई आवेदन किया गया है तो उसकी तिथि व परिणाम	नहीं
7.	डिक्री की राशि उस पर शोध्य ब्याज सहित या एतद्द्वारा अनुदत्त अन्य अनुतोष प्रति डिक्री की विशिष्टयां के सहित	डिक्री घोषणा की जारी की गई जिसका पूर्ण विवरण डिक्री मे अंकित है नकल शामिल है
8.	यदि खर्च मद्दे कोई रकम अधिनिर्णित की गई है तो वह रकम	–

9. **किसके विरूद्ध निष्पादित किया जावे।**

1. स्टैट आफ राजस्थान जरिए तहसीलदार राजस्व गंगानगर

10. **वह जिससे न्यायालय की सहायता अपेक्षित है।** राजस्वरिकार्ड मे खातेदारी दर्ज करवाने इन्तकाल अमल दरामद करवाने

क) **जंगम सम्पत्ति व कुर्की व उसके विक्रय द्वारा**

मैं प्रार्थना करता हूँ कि मूल धन पर (संदाय की तारीख तक ब्याज सहित) कुल..............................रूपये की रकम और यह निष्पादित कराने के खर्चे प्रतिवादी की निम्न सम्पत्ति कुर्की और विक्रय द्वारा वसूल किये जावे और मुझे दिये जाये।

जंगम सम्पत्ति का विवरण

ख) **स्थावर सम्पत्ति और उसके विक्रय द्वारा–**

मैं प्रार्थना करता हूँ कि मूल धन पर (संदाय की तारीख तक ब्याज सहित) कुल ....
रूपये व रकम और निष्पादन कराने के खर्चें प्रतिवादी की निम्न स्थावर सम्पत्ति, कुर्की और विक्रय द्वारा वसूल किये जावे और मुझे दिये जाये और मुझे दिये जायें।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण चक 4 जै बड़ा तहसील गंगानगर के खातास० 32। 31 मु०न० 41 की 1-646 है० खाता स० 61।14 (3 का०-041 है०) कुल 1-687 है०

ग) प्रतिवादी डिक्री की राशि को अदा करने की हैसियत रखता है परन्तु जानबूझकर अदायगी नही कर रहा है अतः उसे कैद दीवानी भेजा जावे।

शपथपत्र सम्पूर्ण विवरण सहित संलग्न है।